

प्रेषक,

श्याम सिंह,
अनुराचिन,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

पर्यटन अनुभाग

विषय-वित्तीय वर्ष 2008-09 में पर्वतीय क्षेत्र में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

देहरादून दिनांक 21 अप्रैल, 2008

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव वित्त उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 तथा राज्य योजना आयोग के पत्र संख्या-624/जि0यो0/रा0यो0आ0/मु0रा0/2008, दिनांक 24 मार्च, 2008 के सन्दर्भ में मैं मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पर्वतीय क्षेत्र में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु जिला योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु कुल रु० 113.37 लाख (रुपये एक करोड़ तेरह लाख सैतीस हजार मात्र) की धनराशि को निम्नतालिका के अनुरूप आवंटित कर तथा प्रत्येक सम्बन्धित जिले के जिलाधिकारी के निवर्तन में रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती है :-

क्र० सं०	जनपद	अनुमोदित परिव्यय	वित्तीय वर्ष 2008-09 में आय-व्यय के सापेक्ष मांग की धनराशि
1	2	3	4
1	नैनीताल	6.00	6.00
2	ऊधमसिंह नगर	-	-
3	अल्मोड़ा	8.50	8.50
4	बागेश्वर	15.00	15.00
5	देहरादून	2.25	2.25
6	पीढ़ी	8.00	8.00
7	टिहरी	15.00	15.00
8	चमोली	26.50	26.50
9	उत्तरकाशी	16.67	16.67
10	रूद्रप्रयाग	11.35	11.35
11	हरिद्वार	4.50	4.50
12	विश्वनाथगढ़	-	-
13	चम्पावत	-	-
	योग:-	113.37	113.37

2-वितरण अधिकारी के द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी0एम0-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह को व्यय का विवरण उक्त अधिकारी के द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (मा० मुख्यमंत्री जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु रक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेगा।

3-यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए या वित्तीय हस्तापुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व रक्षक अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने से पूर्व अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है।

- 4-प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता बनाये रखने हेतु नेहरू पर्यटारोहण संस्थान, उत्तराखण्ड तथा कतिपय अन्य विशेषज्ञ संस्थाओं का सहयोग प्राप्त करने पर भी विचार किया जाय एवं उक्त संस्थान को दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही कार्यक्रम को सम्पन्न किया जाय।
- 5-स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय जनपदवार जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित परिचय के अनुरूप ही किया जायेगा तथा धनराशि व्यय के उपरान्त प्रशिक्षणार्थियों को उपलब्ध करायी गयी सुविधाओं का मदवार विवरण भी यथा समय शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 6-स्वीकृत की जा रही धनराशि में से साहसिक खेलों हेतु प्रयुक्त की जाने वाली उपकरणों का क्रय पर भी किया जायेगा।
- 7-यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि जिला योजनाओं में जनपदवार धनराशि का आवंटन जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति के अनुमोदन के अनुरूप तथा नियोजन विभाग के द्वारा आवंटित परिचय के अनुरूप ही स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग कर धनराशि का वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण व उपयोगिता प्रमाण पत्र सम्बन्धित जिलाधिकारियों के प्रतिहस्ताक्षर सहित कार्यक्रम पूर्ण होने के एक माह के भीतर शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 8-धनराशि व्यय किये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर दिया जाये कि स्वीकृत की जा रही धनराशि से उत्तराखण्ड में साहसिक पर्यटन के विकास से सम्बन्धित स्वरूपों की पूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। धनराशि व्यय किये जाने के उपरान्त उक्त कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों को प्राप्त होने वाले साहसिक पर्यटन से सम्बन्धित रोजगार के सम्बन्ध में भी विवरण शासन को यथा समय उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 9-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2009 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।
- 10-व्यय उन्ही योजनाओं पर किया जायेगा, जिनके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 11-उपरोक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-2009 के अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बन्धित तथा प्रभार-91-जिला योजना-09-पार्वतीय क्षेत्रों में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा-42-अन्य व्यय के नामों द्वारा किया जायेगा।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय

(श्याम सिंह)
अनुसन्धित।

संख्या- LIT / VI / 2008-123(पर्यटन)2002 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2-समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3-निदेशक,पर्यटन निदेशालय,देहरादून।
- 4-निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड शासन।
- 5-निजी सचिव, मा० पर्यटन मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 6-श्री एल०एम०पन्त, अपर सचिव वित्त।
- 7-अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 8-समस्त जिला पर्यटन विकास अधिकारी।
- 9-विशेष कार्याधिकारी, साहसिक पर्यटन, अल्मोडा/उत्तरकाशी।
- 10-वित्त अनुभाग-2
- 11-एन०आई०सी०, देहरादून सचिवालय।
- 12-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(श्याम सिंह)
अनुसन्धित।